माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे

माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे....

पिता तुम्हारे भोले शंकर,
जटा में गंगा धरे जय गणपति हरे हरे,
माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे.....

माता तुम्हारी गौरा मैया,
हर दुःखो को हरे जय गणपति हरे हरे,
माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे......

भाई तुम्हारे कार्तिक भैया,
सब वेदों को पढ़े जय गणपति हरे हरे,
माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे......

बहन तुम्हारी दुर्गा मैया,
घर-घर ज्योत जले जय गणपति हरे हरे,
माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे.....

पत्नी तुम्हारी ऋद्धि-सिद्धि,
घर धन -धान्य भरे जय गणपति हरे हरे,
माथे तिलक धरे जय गणपति हरे हरे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29189/title/maathe-tilak-dhare-jai-ganpati-hare-hare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |